



हिन्दी दिवस के सुवसर पर

शशिकांत निशांत शर्मा 'साहिल'



Hindi Bhasha (Photo Courtesy: www.hindibooks.org)

आज पहली बार
हिन्दी दिवस के सुवसर पर
देखा मैंने राष्ट्रीय सहारा
एक राष्ट्रीय अखबार
जो देती है सत्य त्योंरा
दिखलाती है पाठको को
घटना की सत्यता आर-पार
रखती है संदेश
हर घटना पर नजर
देती देश विदेश की खबर
कौन खेल हो रहा है किधर
उस पर भी है इसकी नजर
हर घटना देती है विवरण पूरा
वह अखबार है राष्ट्रीय सहारा
मन मे है उत्साह
मना रहे है हिन्दी सप्ताह
आज हिन्दी झेजीय नही



आज हिन्दी राष्ट्रीय नहीं
आज बन है हिन्दी
सही अन्तराष्ट्रीय भाषा
बदल गया इसका वेश भूसा
दुनिया की 18% आबादी
आज बोलती है हिन्दी
चिनी भाषा की तरह सीमित नहीं
हिन्दी फैल गयी है पुरी दुनिया मे ही
हिन्दी की कोई सिमा नहीं
हिन्दी है अपनी राष्ट्रीय भाषा
बाँध ना सकी देश की सिमा
हिन्दी बन गयी है विश्व भाषा
और बड़ गयी देश की गारिमा